तेरे दर पे आये हैं

तेरे दर पे आये है फर्यादि लाये है,
सुनती हो सभी की माँ ये सुन के आये है
तेरे दर पे आये है फर्यादि लाये है,

तेरा दर है स्वर्ग जैसा मेरा मन ये खिल जाता,
बिन मांगे सब को माँ सब कुछ ही मिल जाता ,
तुम सब की सुनती हो सब पे ही सहाई हो हर विपता हरती हो जगदम्बे माई हो
मेरे सिर पे दुःख के माँ ये बादल छाए है
तेरे दर पे आये है फर्यादि लाये है,

तेरी छवि निहारु माँ ये ममता वाली है
दुष्टों के लिए माँ तू मैया काली है,
भंडार भरे तेरे जो रहमत वाले है
लगते न कभी दर पे माँ तेरे ताले है
मेरी झोली भर दो माँ जो खाली लाये है
तेरे दर पे आये है फर्यादि लाये है,

हम प्यासे पंशी है तृष्णा ये मिटानी है
कुछ गोर करो आंबे आँखों में पानी है,
तू दया के सागर से दो बूंद पीला दे माँ
अपने इस दीपक की किस्मत चमका दे माँ
मेरा कासा खाली है जो भरने आये है
तेरे दर पे आये है फर्यादि लाये है,

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/18808/title/tere-dar-pe-aaye-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |